CHRONICLE

Nurturing Talent Since 1990

BPSC

बिहार विशेष

बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार कर्मचारी चयन आयोग,
बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग एवं अन्य समकक्ष
प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले बिहार
विशेष से संबंधित प्रश्नों के अनुरूप

BPSC
बिहार विशेष

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC), बिहार कर्मचारी चयन आयोग (BSSC) तथा बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (BPSSC) द्वारा आयोजित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी

संपादकः एन. एन. ओझा
(सिविल सेवा परीक्षाओं के मार्गदर्शन में 33 से अधिक वर्षों का अनुभव)
लेखन एवं प्रस्तुतिः क्रॉनिकल संपादकीय समूह

CHRONICLE
Nurturing Talent Since 1990

अनुक्रमणिका

1. बिहार का सामान्य परिचय 05

- सामान्य परिचय 5
- बिहार : भारत में प्रथम 10
- बिहार : विश्व में प्रथम 11
- बिहार में प्रथम संस्थान और केन्द्र 13
- बिहार में सबसे बड़ा/सबसे छोटा 13
- प्रमुख उपनाम 14
- प्रमुख विभूति और उनके जन्म स्थान 14

2. बिहार का इतिहास 15

- प्राचीन बिहार 15
- महाजनपद काल में बिहार 18
- मगध राज्य का उत्कर्ष 21
- मौर्य वंश (321–184 ई. पू.) 24
- मौर्योत्तरकाल 32
- गुप्तकालीन बिहार 33
- बिहार के प्रमुख विदेशी यात्री 37
- प्राचीन बिहार के शिक्षा केन्द्र 41
- पूर्व मध्यकालीन बिहार 42
- मध्यकालीन बिहार का इतिहास 43
- बिहार का आधुनिक इतिहास 50
- बिहार में ब्रिटिश विरोधी संघर्ष 52
- 1857 ई. के पूर्व बिहार में स्वतंत्रता आंदोलन 53
- 1857 की क्रांति 56
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बिहार के विभिन्न वर्गों की भूमिका 71

3. बिहार की कला एवं संस्कृति 83

- बिहार के प्रमुख धर्म 83
- बिहार के लोकनाट्य 87
- बिहार के लोक नृत्य 88
- बिहार के लोकगीत 90
- क्षेत्रीय लोकगीत 92
- बिहार के प्रमुख मेले 93
- जीआई (विशिष्ट भौगोलिक पहचान) टैग प्राप्त खाद्य पदार्थ 95
- बिहार की भाषाएं 96
- बिहार में संगीत 98
- प्राचीन शिक्षा पद्धति 101

➲ आधुनिक काल में शिक्षा पद्धति 102
➲ बिहार में कला और स्थापत्य 105
➲ मूर्तिकला 111
➲ बिहार में चित्रकला 112

4. बिहार का भूगोल 118
➲ बिहार की भूगर्भिक संरचना 118
➲ बिहार का भौतिक स्वरूप 122
➲ अपवाह तंत्र 130
➲ जल-प्रपात 135
➲ झरने 136
➲ झील 136
➲ प्राकृतिक वनस्पति एवं वन संपदा 138
➲ वन नीति 139
➲ बिहार की प्रमुख मिट्टियां 140
➲ गंगा के दक्षिणी मैदान की मृदा 141
➲ मिट्टी की समस्याएं 141
➲ मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन 142
➲ बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं 143
➲ कृषि एवं कृषि प्रदेश 147
➲ खनिज संसाधन 151
➲ बिहार के उद्योग एवं औद्योगिक विकास 155
➲ बिहार के औद्योगिक उपक्रम 161
➲ बिहार के औद्योगिक क्षेत्र/प्रदेश 163
➲ बिहार के भौगोलिक प्रदेश 163

5. बिहार की अर्थव्यवस्था 165
➲ बिहार में कृषि 165
➲ बिहार के प्रमुख कृषि प्रदेश 167
➲ बिहार में हरित-क्रान्ति 168
➲ बिहार का उद्योग 168
➲ बिहार में वित्त और बैंकिंग 173
➲ बिहार में निर्धनता 174
➲ 15वां वित्त आयोग और बिहार 174
➲ बिहार में ऊर्जा 175
➲ बिहार में सिंचाई 178
➲ बिहार में परिवहन व्यवस्था 179
➲ सड़क परिवहन 180
➲ जल परिवहन 182
➲ वायु परिवहन 182
➲ रेल परिवहन 183

- बिहार की संचार व्यवस्था 183
- ग्रामीण और शहरी विकास 184

6. बिहार की राजनीतिक प्रणाली 186
- बिहार विधान सभा का इतिहास 186
- बिहार विधान परिषद का इतिहास 187
- राज्य की कार्यपालिका 188
- बिहार के प्रमुख आयोग 189
- बिहार में स्थानीय प्रशासन 191
- बिहार में पंचायती राज से संबंधित कानून 193
- बिहार की न्यायपालिका 196
- मद्यनिषेध कानून 197

7. बिहार में सामाजिक विकास 198
- बिहार की जनजातियां 198
- बिहार जनसांख्यिकी 2011 199

8. बिहार पर्यावरण 202
- वन एवं वन्यजीव संसाधन 202
- प्रमुख अभ्यारण्य और राष्ट्रीय उद्यान 203
- भू-जल प्रदूषण 206
- बिहार में आपदा और आपदा प्रबंधन 206
- आपदा प्रबंधन संबंधी प्रयास 209
- जैव विविधता संरक्षण 210

9. बिहार के ऐतिहासिक स्थल एवं पर्यटन 212
- प्रमुख ऐतिहासिक स्थल 212
- बिहार में पर्यटन 214
- बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम 215
- बिहार पर्यटन नीति 2023 215

10. प्रमुख व्यक्तित्व 217
- प्राचीनकाल के प्रमुख व्यक्तित्व 217
- आधुनिक काल के प्रमुख व्यक्तित्व 218
- बिहार के प्रमुख साहित्यिक व्यक्तित्व 221

11. बिहार : खेल एवं पत्रकारिता 223
- खेल 223
- बिहार में पत्रकारिता 225

12. जिलों का संक्षिप्त विवरण 227

13. बिहार वनलाइनर सामान्य ज्ञान 242

14. बिहार विशेष प्रश्न बैंक 252

15. प्रमुख नीति एवं योजनाएं.....282
- कृषि एवं संबंधित क्षेत्र..... 285
- उद्योग एवं व्यवसाय..... 287
- ग्रामीण/शहरी विकास कार्यक्रम..... 288
- रोजगार, कौशल एवं खेल..... 289
- सामाजिक सुरक्षा योजनाएं..... 291
- महिला एवं बाल विकास योजनाएं..... 294
- अल्पसंख्यकों से संबंधित योजनाएं..... 296
- शिक्षा विकास से संबंधित योजनाएं..... 297
- पेयजल एवं स्वच्छता..... 300
- पर्यावरण संरक्षण संबंधी पहलें 301

16. बिहार में कौन, कहां, क्या?.....302
- बिहार के वर्तमान कैबिनेट मंत्रियों की सूची..... 301
- बिहार के राज्यपाल..... 302
- बिहार में राष्ट्रपति शासन..... 303
- बिहार के मुख्यमंत्री..... 303
- बिहार विधान सभा के माननीय उप-मुख्यमंत्री की सूची..... 305
- बिहार में पूर्व मुख्य न्यायाधीशों की सूची..... 305

❋❋❋❋❋

01 अध्याय
बिहार का सामान्य परिचय

सामान्य परिचय

- **नामकरण:** 12वीं शताब्दी के अंत में ओदंतपुरी के समय में बौद्ध विहारों की बहुलता के कारण इस क्षेत्र का नाम 'विहार' पड़ा, जो कालांतर में बिहार के रूप में प्रचलित हो गया।
- **प्राचीन नाम:** प्राच्य या पूर्व देश (वैदिक युग)
- **बिहार के संदर्भ में प्रथम जानकारी:** शतपथ ब्राह्मण
- **बिहार की राजधानी:** पटना
- **बिहार राज्य का गठन:** 22 मार्च, 1912
- **राज्य दिवस:** 22 मार्च
- **उच्च न्यायालय:** पटना उच्च न्यायालय
- **बिहार की राजकीय भाषा:** हिन्दी
- **द्वितीय राजभाषा:** उर्दू
- **अन्य भाषाएं:** मैथिली, मगही, भोजपुरी, वज्जिका एवं अंगिका
- **राजकीय पक्षी:** गौरैया
- **राजकीय पुष्प:** गेंदा
- **राजकीय वृक्ष:** पीपल

- **राजकीय पशु:** गौर (Indian Bison) [2013 से पहले रीछ]
- **राज्य चिह्न:** बोधि वृक्ष, जिसके पार्श्व में दो स्वास्तिक बने हैं (बोधि वृक्ष में दो प्रार्थना मालाएं भी दर्शायी गई हैं)
- **राजकीय मछली:** मांगुर (Walking catfish)
- **राजकीय खेल:** कबड्डी

भौगोलिक परिचय

- **बिहार का क्षेत्रफल:** 94,163 वर्ग किलोमीटर (36,357 वर्ग मील)
- **बिहार का ग्रामीण क्षेत्रफल:** 92,257.51 वर्ग किलोमीटर
- **बिहार का शहरी क्षेत्रफल:** 1095.49 वर्ग किलोमीटर
- **बिहार की समुद्र तल से ऊंचाई:** 173 फीट
- **बिहार में औसत वर्षा के दिनों की संख्या:** 52.5 दिन प्रतिवर्ष
- **क्षेत्रफल की दृष्टि से भारतीय राज्यों में स्थान:** 13वां (तेलंगाना के निर्माण के पूर्व–12वां)
- **भौगोलिक स्थिति:** भारत के उत्तर–पूर्वी भाग में
- **बिहार की अक्षांशीय विस्तार:** 24°, 20', 10" - 27°, 31', 15" N

02
अध्याय

बिहार का इतिहास

पूर्व ऐतिहासिक काल से ही विकसित हो रही संस्कृतियों का महत्त्वपूर्ण केन्द्र बिहार रहा है। यह आर्यावर्त का वह क्षेत्र है, जहाँ ज्ञान, धर्म, आध्यात्म व सभ्यता संस्कृति की ऐसी किरण प्रस्फुटित हुई, जिससे न केवल भारत, बल्कि समस्त संसार अवलोकित हुआ। विभिन्न युग में इसने देश के इतिहास और सांस्कृतिक जीवन में निर्णायक भूमिका निभाई है।

- बौद्ध धर्म और जैन धर्म के उद्‌गम स्रोत के रूप में बिहार ने विश्व को शान्ति, अहिंसा और भाईचारे का संदेश दिया। भारतीय उपमहाद्वीप में बिहार से ही विशाल साम्राज्यों की प्रक्रिया आरंभ हुई। जहाँ मौर्यों ने एक योग्य केन्द्रीकृत शासन के आदर्श प्रस्तुत किए, वहीं गुप्तकाल में यह क्षेत्र विद्या, साहित्य और विज्ञान की अद्‌भुत प्रगति का साक्षी रहा। पाल शासकों ने इस क्षेत्र को बौद्ध विद्या का प्रसिद्ध केन्द्र बनाया, जिसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई।
- मध्यकाल में बिहार जहाँ एक ओर मुगलों के अधीन विकसित अन्तरराष्ट्रीय व्यापार का समृद्ध केन्द्र रहा, मुगल सत्ता के विरुद्ध अफगानों की चुनौती का केन्द्र रहा, वहीं दूसरी तरफ महान् अफगान शासक शेरशाह की कर्म भूमि और प्रशासनिक सुधारों की प्रयोगशाला रही। यहीं पर सिखों के दसवें और अंतिम गुरु, गुरु गोविन्द सिंह जी का जन्म हुआ तथा इसी भूमि पर अनेक महान् सूफी संतों ने प्रेम, सद्‌भाव, भाईचारा और धार्मिक सहिष्णुता के उपदेश दिए।
- आधुनिक काल में बंगाल एवं बिहार भारत में ब्रिटिश सत्ता के उदय का अभिकेन्द्र एवं निर्णायक केन्द्र बने। बिहार में ही संगठित बहावी आन्दोलन भारत का प्रथम जन आन्दोलन था, जिसने ब्रिटिश सत्ता को सशक्त चुनौती दी। जहाँ बाबू कुँवर सिंह और वीर अली जैसे देशभक्तों ने सन् 1857 में ब्रिटिश सत्ता को झकझोर दिया; वहीं महात्मा गाँधी ने चम्पारण में सत्याग्रह का प्रयोग कर ब्रिटिश सत्ता की नींव हिला दी। इन आन्दोलनों के कारण ही यह भूमि भारत में प्रशासनिक सुधारों की प्रयोगशाला बनी रही।

प्राचीन बिहार

प्रागैतिहासिक कालीन बिहार

प्राचीन बिहार की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी हमें पूर्णत: बिहार के विभिन्न भागों में पुरातात्विक उत्खननों से प्राप्त सामग्री के आधार पर मिलती है।

- बिहार में पुरापाषाण और मध्यपाषाण संस्कृतियों का उदभव और विकास का आरंभिक प्रमाण दक्षिण बिहार के छोटानागपुर क्षेत्र में मिलता है।
- पुरापाषाण कालीन उपकरण पहली बार बी० वॉल और हुगल द्वारा 1865 ई० में छोटानागपुर के धनबाद जिला स्थित कुनकुने गाँव में पाये गये। सबसे पुराने अवशेष आरंभिक पूर्व प्रस्तर युग के हैं, जो अनुमानत: 100,000 ई० पू० काल के हैं। इनमें पत्थर की कुल्हाड़ियों के फल, चाकू और खुरपी के रूप में प्रयोग किए जाने वाले पत्थर के टुकड़े हैं।

3
अध्याय

बिहार की कला एवं संस्कृति

बिहार के प्रमुख धर्म

महावीर एवं जैन धर्म

जैन धर्म के 24वें तीर्थकर महावीर का जन्म 540 B.C. को वैशाली के निकट कुंडग्राम (वर्तमान वासुकुंड) में हुआ।

- महावीर ज्ञातृक वंश के क्षत्रिय थे। इनके पिता का नाम सिद्धार्थ तथा माता का नाम त्रिशला था, जो वज्जि संघ के प्रमुख चेटक की बहन थी।
- इनकी पत्नी का नाम यशोदा था जिससे एक पुत्री अणोज्जा प्रियदर्शना थी।
- महावीर ने 30 वर्ष की आयु में गृहत्याग दिया। 12 वर्ष की कठोर तपस्या के उपरान्त उन्हें 42 वर्ष की आयु में जृम्भिक ग्राम के निकट ऋजुपालिका नदी के तट पर ज्ञान प्राप्त हुआ।
- महावीर को निग्रंथ, न्यायपुत्र, कसावा (गोत्र), वैशलिया, वेदेहादीन, महावीर, केवलिन तथा जिन भी कहा गया।
- महावीर का प्रतीक चिन्ह् सिंह था।
- 72 वर्ष की आयु में 468 ई. पूर्व में राजगीर के निकट पावापुरी में राजा हस्तिपाल के यहां महावीर को निर्वाण (मृत्यु) की प्राप्ति हुई।
- महावीर ने जैन धर्म के प्रसार-प्रचार के लिए प्राकृत भाषा का प्रयोग किया, कालांतर में संस्कृत का प्रयोग होने लगा तथा कल्पसूत्र संस्कृत में लिखी गई, जबकि धर्मग्रन्थों में अर्धमागधी भाषा का प्रयोग किया तथा अपने विचारों के प्रचार के लिए चंपा, मीथिला, वैशाली एवं राजगीर का भ्रमण किया।
- कालांतर में जैन धर्म दो भागों में बंट गया-
  1. दिगम्बर (स्थूलबाहु के नेतृत्व में)
  2. श्वेताम्बर (भद्रबाहु के नेतृत्व में)
- भद्रबाहु पवित्र मौलिक साहित्य के अंतिम संपूर्ण ज्ञाता थे।
- पांच महाव्रत- अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्य।
- त्रिरत्न-सम्यक, सम्यक दर्शन एवं सम्यक आचरण।
- जैन धर्म में दो संगीतियों का आयोजन किया गया- प्रथम जैन संगीति का आयोजन पाटलिपुत्र में स्थूलभद्र की अध्यक्षता में तिसरी शताब्दी ई. पूर्व में आयोजित हुआ था तथा दूसरी संगीति का आयोजन पांचवी सदी ई. में गुजरात के बल्लभी में देवर्धि क्षमाश्रमण की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में पाटलिपुत्र में जैनधर्म के उपदेशों को संकलित करने के लिए एक महासभा का आयोजन किया गया।

04
अध्याय

बिहार का भूगोल

बिहार की भूगर्भिक संरचना

राज्य के भौगोलिक अध्ययन में इसके भूतत्व एवं संरचना का सम्यक ज्ञान विशेष स्थान रखता है, क्योंकि राज्य के विभिन्न भागों में पाई जाने वाली चट्टानों के स्वरूप जाने बिना उनकी उपयोगिता का पता लगाना असम्भव हो जाता है। चट्टानों की रचना पर राज्य की मिट्टी की बनावट तथा खनिज पदार्थ निर्भर करते हैं। तलछट के जमाव से बनी पर्तदार भूमि कृषि के लिए बहुत अहम होती है, जैसा कि हिमालय पर्वत की तलछट चट्टानों को काटकर नदियों ने बिहार के उपजाऊ मैदान का निर्माण किया है।

सामान्य भूगर्भिक जानकारी

बिहार का जलोढ़ मैदान संरचनात्मक दृष्टि से नवीनतम संरचना है, जबकि उच्च बिहार मूलरूप से विन्धयन शैल समूहों से निर्मित है। प्रायद्वीपीय भारत के उत्तरी-पूर्वी अंग के रूप में बिहार का उच्च प्रदेश एक प्राचीन संरचनात्मक इकाई है, जिसकी संरचना में आज भी भू-वैज्ञानिक युगों की संरचनात्मक विशेषताएं उपलब्ध है।

- बिहार का भूगर्भिक इतिहास बताता है कि यहां पर प्राचीनतम चट्टानों से लेकर नवीनतम चट्टानें तक पायी जाती हैं। धारवाड़ क्रम की चट्टानें भी यहां पर मिलती है, क्वाटरनरी युग की नवीनतम चट्टानें कांप मिट्टी के पर्तदारी निक्षेपों के रूप में पायी जाती है।
- बिहार का विस्तृत मैदानी भाग और संकीर्ण पर्वतीय तथा पठारी भाग का संरचनात्मक इतिहास बिल्कुल भिन्न है। बिहार का मैदानी भाग मध्यकालीन अवसादी निक्षेप से निर्मित है और इसकी संरचना सरल है। यह एक आकृतिविहीन समतल मैदान है, जिसका निर्माण गंगा और इसकी सहायक नदीयों द्वारा लायी गयी मिट्टी से हुआ है।
- भूगर्भिक संरचना की दृष्टि से बिहार के मैदान का महत्व कम है, किन्तु यह कृषि और मानवाधिकार की दृष्टि से इस प्रदेश का सर्वप्रमुख विभाग है और यही मैदानी भाग पुरानी सभ्यता और संस्कृति का केन्द्र रहा है।
- इसके विपरीत राज्य का संकीर्ण पठारी भाग प्रायद्वीपीय पठार का उत्तर-पूर्व निकला हुआ भू-भाग है, जिसका संरचानात्मक सम्बन्ध प्राचीनतम भूखंड गोंडवानालैंड से है। गोंडवानालैंड के शैल समूह विस्तृत रूप से संधियां, तड़कलों तथा संरचना से प्रभावित पाये जाते हैं। इसकी भूगर्भिक संरचना अत्यंत जटिल है और इसमें पुरानी और कठोर चट्टानें पायी जाती है, जिनमें नए शिष्ट की प्रधानता है।
- प्रान्त के उतरी पश्चिमी संकीर्ण क्षेत्र में स्थिति मोड़दार पर्वतश्रेणी की संरचना इन दोनों से भिन्न है। यह पर्वतश्रेणी हिमालय या शिवालिक श्रेणी का ही एक भाग है।
- भूगर्भिक संरचना के दृष्टि से बिहार का दक्षिणी भाग सबसे पुराना है। इसका निर्माण प्री-कैम्ब्रियन युग में हुआ और कालान्तर में इस पर दूसरे कल्प की चट्टानों का निक्षेपण हुआ है।
- नीस तथा ग्रेनाइट धारवाड़ एवं विन्ध्यन क्रम की चट्टानें प्री-कैम्ब्रियनकाल से सम्बन्धित हैं।

05
अध्याय

बिहार की अर्थव्यवस्था

बिहार में कृषि

बिहार के कुल भौगोलिक क्षेत्र में से 57.12 लाख हेक्टेयर पर खेती होती है जो कुल का लगभग 60 प्रतिशत है। 23.58 लाख हेक्टेयर क्षेत्र पर वर्ष में एक से अधिक बार खेती की जाती है। अत: सकल फसली क्षेत्रफल 72.97 लाख हेक्टेयर है। यहां की फसल सघनता 1.44 प्रतिशत है।

वर्ष 2020-21 तक विभिन्न माध्यमों से सिंचित क्षेत्र	
शुद्ध सिंचित क्षेत्र	(लाख एकड़)
नहर	30.6
तालाब	1.9
नलकूप	63.9
कुएं	6
अन्य	3.00

- राज्य में लगभग 1.61 करोड़ भूमि जोत हैं, जिनमें से लगभग 91.06 प्रतिशत 1 हेक्टेयर से कम आकार की सीमांत जोत हैं। कुल जनसंख्या का लगभग 90 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने के कारण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के प्राथमिक पोषक के रूप में कृषि न केवल भूमि के हाशिये पर बल्कि मानव उद्यम के हाशिये पर भी चल रही है।
- पिछले कुछ वर्षों में लगभग अपरिवर्तित फसल पैटर्न से पता चलता है कि बिहार मुख्य रूप से एक अनाज अर्थव्यवस्था है, जिसका 85 प्रतिशत से अधिक सकल फसल क्षेत्र अनाज के अंतर्गत आता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि बिहार ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है, पूर्वी भारत में 'लक्षित चावल परती क्षेत्र (टीआरएफए)' योजना के तहत राज्य में चावल परती क्षेत्रों में दलहन और तिलहन की खेती के लिए विशिष्ट योजनाएं शुरू की गई हैं।
- बिहार में कुल खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2020-21 में 179.52 लाख टन हो गया है। वहीं 5.27 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ते हुए कुल अनाज उत्पादन 2018-19 के 158.58 लाख टन से 2020-21 में 175.73 लाख टन हो गया।

बिहार का चौथा कृषि रोडमैप 2023-2028

- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 18 अक्टूबर, 2023 को पटना में बिहार के चौथे कृषि रोडमैप (2023-2028) का शुभारंभ किया।
- कृषि रोडमैप की इस पंचवर्षीय योजना के माध्यम से सरकार विभिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक और मृदा संबंधी विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए कृषि को बढ़ावा देगी।
- इस रोडमैप में राज्य में अगले 5 वर्षों में कृषि के विकास की कार्य-योजना बनाई गई है। इस कार्य-योजना में कृषि तथा 11 अन्य संबंधित विभागों को शामिल किया गया है।
- कृषि रोडमैप कार्यक्रम में 1800 से अधिक किसान और जीविका-दीदी स्वयं सहायता समूह के 700 सदस्यों ने हिस्सा लिया।
- राज्य सरकार इस चौथे रोडमैप की मदद से कृषि समेत ग्रामीण इलाकों के लोगों की आय बढ़ाने का काम करेगी। बिहार सरकार वर्ष 2008 से कृषि रोडमैप लागू कर रही है।

06
अध्याय

बिहार की राजनीतिक प्रणाली

संविधान के भाग-6 में अनुच्छेद 153-167 तक राज्य की कार्यपालिका से संबंधित प्रावधान का उल्लेख किया गया है, जिसमें राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद और राज्य के महाधिवक्ता को शामिल किया जाता है। साथ ही इस भाग में राज्य सरकार के संबंध में उपबंध किया गया है।

बिहार विधान सभा का इतिहास

बिहार के इतिहास में 12 दिसम्बर, 1911 ई. मील का पत्थर के रूप में चिह्नित है। इस तिथि को आयोजित दिल्ली दरबार में ब्रिटिश सम्राट ने भारत सरकार की राजधानी कलकत्ता से स्थानान्तरित करते हुए दिल्ली लाने की घोषणा के साथ-साथ कोई तिथि निर्धारित कर बंगाल से बिहार एवं उड़ीसा को अलग कर गवर्नर-इन-कौंसिल के शासन वाला प्रान्त बनाने की घोषणा की थी।

- 22 मार्च, 1912 ई. को जारी उद्घोषणा के द्वारा बंगाल से अलग कर बिहार एवं उड़ीसा नाम से नये राज्य का गठन किया गया। इसके अन्तर्गत भागलपुर, मुंगेर, पूर्णिया एवं भागलपुर प्रमंडल के संथाल परगना के साथ-साथ सम्पूर्ण पटना, तिरहुत, छोटानागपुर एवं उड़ीसा प्रमंडल को शामिल किया गया।
- बिहार एवं उड़ीसा राज्यों के गठन संबंधी उद्घोषणा दिनांक 1 अप्रैल, 1912 के प्रभाव से लागू हुआ। सर चार्ल्स स्टूवर्ट बेले, के. सी. एस. आई. इस राज्य के प्रथम उप-राज्यपाल नियुक्त किये गये।
- संयुक्त बिहार एवं उड़ीसा राज्य में विधायी प्राधिकार की स्थापना सन् 1913 ई. में हुई। इसके लिए 43 सदस्यीय विधायी परिषद का गठन किया गया, जिसमें 24 निर्वाचित एवं 19 मनोनीत सदस्य थे।
- इसकी प्रथम बैठक 20 जनवरी, 1913 ई. को बांकीपुर स्थित कौंसिल चैम्बर में उप-राज्यपाल श्री बेले की अध्यक्षता में संपन्न हुई।
- 29 दिसम्बर, 1920 ई. को बिहार एवं उड़ीसा राज्य को राज्यपाल के शासन वाला प्रान्त बनने का गौरव प्राप्त हुआ। महामहिम माननीय रायपुरवासी भगवान सत्येन्द्र प्रसन्नो (बैरॉन) सिन्हा राज्य के प्रथम भारतीय राज्यपाल नियुक्त किये गये। राज्यपाल के शासन वाला प्रान्त बनने के तुरन्त बाद लेजिस्लेटिव कौंसिल के गठन में भी संशोधन किया गया, जिसके अनुसार कुल सदस्यों की संख्या 103 निर्धारित की गई।
- 103 सदस्यीय कौंसिल में 76 निर्वाचित एवं 27 राज्यपाल द्वारा मनोनीत सदस्य थे। मार्च, 1920 ई. में लेजिस्लेटिव कौंसिल का भवन का निर्माण शुरू हुआ और उसी वर्ष बनकर तैयार हो गया। इस भवन में कौंसिल की प्रथम बैठक 7 फरवरी, 1921 ई. को सर मुंडी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। यह भवन आज बिहार विधान सभा के रूप में विद्यमान है।
- बिहार एवं उड़ीसा राज्य के अन्तरिम राज्यपाल सर जेम्स डेविड सिफ्टॉन हुए। सन् 1935 ई. में बिहार विधान परिषद भवन का निर्माण हुआ था। 1 अप्रैल, 1936 ई. को बिहार एवं उड़ीसा अलग हुआ, जिससे दोनों पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में आए।
- गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 में निहित प्रावधानों के अनुसार 1 अप्रैल, 1937 ई. को प्रान्तीय स्वायत्तता का गठन हुआ, जिसके क्रम में प्रान्तों में द्विसदनीय व्यवस्था की शुरूआत हुई। इस व्यवस्था के अन्तर्गत बिहार में विधान सभा तथा विधान परिषद प्रस्थापित किया गया।

07
अध्याय

बिहार में सामाजिक विकास

बिहार की जनजातियां

बिहार में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों की कुल जनसंख्या 1,38,06,989 है। इनमें अनुसूचित जाति की जनसंख्या 1,30,48,608 है, जिनमें 68,84,676 पुरुष और 62,63,932 महिलाएं हैं। अनुसूचित जनजाति का अधिकांश भाग अब वर्तमान झारखण्ड में चले जाने से बिहार में इनकी कुल संख्या 7,58,381 रह गयी है, जिनमें 9,93,144 पुरुष और 3,65,237 महिलाएं हैं। बिहार की धरती पर लगभग सभी धर्मों, जातियों और जनजातियों के लोग निवास करते हैं। राज्य में जनजाति समाज का वर्चस्व भले ही अत्यधिक कम हो गया हो, फिर भी जनजातीय संस्कृति का बिहार में अपना अलग ही महत्व है।

प्रमुख जनजातियां

आधुनिक बिहार में झारखंड के बनने के बाद जनजातियों की संख्या बहुत कम हो गई, परंतु कुछ जनजातियां अभी भी हैं, जो बिहार की समृद्ध सामाजिक संस्कृति को अपनी प्राचीन संस्कृति से योगदान देती हैं। बिहार में पाए जाने वाली प्रमुख जनजातियां निम्नलिखित हैं-

- **गोंड:** यह जनजाति बिहार के छपरा, चंपारण और रोहतास जिलों में पाई जाती है। प्राय: इनकी अपनी कोई बस्ती नहीं होती, जो कि सामान्यत: अन्य जनजातियों में पाई जाती है। ये लोग गैर-आदिवासियों के साथ रहते हैं। इनकी भाषा मुंडारी है, परंतु अब ये लोग प्राय: स्थानीय भाषा में ही वार्तालाप करते हैं।
- **खोंड:** यह कृषि कार्यों में मजदूरी करने वाली जनजाति है, जो शाहाबाद क्षेत्र में निवास करती है। इनकी भाषा स्थानीय सदानी है, परंतु अब ये अधिकतर भोजपुरी का ही प्रयोग करने लगे हैं।
- **बेड़िया:** इस जनजाति के लोग प्राय: बिखरकर रहने वाले होते हैं, जो अधिकतर मुंगेर जिले में रहते हैं। ये भी किसान और मजदूर होते हैं तथा स्थानीय भाषा में ही वार्तालाप करते हैं।
- **उरांव:** प्रोटोऑस्ट्रेलाइड और द्रविड़ परिवार से संबंध रखने वाले उरांव जनजाति के लोग मुख्य रूप से झारखंड में निवास करते हैं। बिहार और झारखंड विभाजन के बाद यह न्यून संख्या में बिहार में भी रहते हैं। रोहतास, बक्सर, दरभंगा, भागलपुर और चंपारण जिलों में रहने वाली यह जनजाति बोंगवाद, प्रकृतिवाद, हिंदूवाद और ईसाइयत के मिश्रित सिद्धांतों का पालन करती हैं। इनके आर्थिक जीवन में मिश्रित संरचना के दर्शन होते हैं।
- **संथाल:** यह जनजाति भी संथाल परगना (झारखंड) की मूल जनजाति है, जो बिहार में पूर्णिया, भागलपुर, सहरसा आदि जिलों में निवास करती हैं। इन्हें भी प्रोटोऑस्ट्रेलाइड परिवार से संबंधित माना जाता है। इनकी भाषा संथाली है, जो ऑस्ट्रोएशियाटिक भाषा-परिवार की है। इसके अतिरिक्त ये लोग बंगाली और हिंदी भाषा का भी प्रयोग करते हैं। सिंगबोंगा इनके पूज्य देवता हैं।
- **खैरवार:** मुख्य रूप से झारखंड में निवास करने वाली यह जनजाति बिहार राज्य के रोहतासगढ़ क्षेत्र में भी पाई जाती हैं। इनकी परंपरा में खैरघासों की पूजा करने का विधान है। इसी कारण इनका नाम खैरवार पड़ा। इस जनजाति के लोगों की भाषा मुंगरी है, परंतु अब ये लोग बिहार की स्थानीय भाषा का प्रयोग भी करने लगे हैं।

08 अध्याय
बिहार पर्यावरण

वन एवं वन्यजीव संसाधन

बिहार में वन आवरण

- भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार बिहार का वनावरण 7,380.79 वर्ग कि. मी. है। यह बिहार के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 7.84% है।
  - 2019 की रिपोर्ट की तुलना में बिहार में वनावरण में 75 वर्ग कि. मी. की वृद्धि हुई, जो पिछली रिपोर्ट से 1.03% अधिक है।
  - भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में वनाच्छादन और वृक्षाच्छादन का संयुक्त रूप से 10.35% हिस्सा है।
  - वर्ष 2021 में कुल वन क्षेत्र में लगभग 51.0% हिस्सा खुले वनों का, 44.5% मध्यम सघन वनों का तथा 4.5% अति सघने वनों का है।
  - वर्ष 2021 में बिहार का कुल वनाच्छादन और वृक्षाच्छादन 9,772 वर्ग कि.मी. था, जिसमें 12 जिलों के प्राकृतिक वन और वृक्ष बहुल 7,381 वर्ग कि.मी. वनस्पति-क्षेत्र शामिल हैं, जो वन के रूप में वर्गीकरण की योग्यता रखते हैं।

बिहार में वनाच्छादन और वृक्षाच्छादन का वर्षवार तुलनात्मक क्षेत्रफल		
वर्ष	कुल वनाच्छादन और वृक्षाच्छादन का क्षेत्रफल वर्ग कि.मी.	कुल वनाच्छादन और वृक्षाच्छादन का प्रतिशत
2019	9,309	9.9
2021	9,722	10.3

वर्ग	क्षेत्रफल 2019	क्षेत्रफल 2021
बहुत घने वन (VDF)	333 वर्ग कि.मी.	333 वर्ग कि. मी.
मध्यम रूप से वर्ग से घने वन (MDF)	3,280 वर्ग कि. मी.	3,286 वर्ग कि. मी.
खुला वन (OF)	3,693 वर्ग कि. मी.	3,762 वर्ग कि. मी.
कुल	7,306 वर्ग कि. मी.	7,381 वर्ग कि. मी.

क्षेत्रफल के अनुसार सर्वाधिक वन आवरण वाले जिले		
जिले	क्षेत्रफल	प्रतिशत
कैमूर	1,051.56 वर्ग कि.मी.	31.56%
पश्चिम चम्पारण	903.34 वर्ग कि.मी.	17.28%
रोहतास	669.91 वर्ग कि.मी.	17.26%

09
अध्याय

बिहार के ऐतिहासिक स्थल एवं पर्यटन

प्रमुख ऐतिहासिक स्थल

- **ओदंतपुरी (नालंदा):** यह स्थान बिहार के नालंदा जिले में स्थित है। यहां एक बौद्ध विहार और महाविद्यालय था। इसकी स्थापना पालवंश के राजा गोपाल ने 730-740 ई. में करवायी थी। यहां के मुख्य विद्यार्थी दीपंकर थे, जो कालांतर में विक्रमशिला विद्यालय के प्रधान आचार्य बन गए। 13वीं सदी में मुस्लिम आक्रमणकारियों ने इस शिक्षण संस्थान को नष्ट कर दिया।
- **कुंडग्राम (वैशाली में):** कुंडग्राम नगर में ज्ञातृक गणराज्य था। यह वज्जि संघ का सदस्य था। बिहार के वर्तमान वैशाली जिले के क्षेत्र में स्थित था। ज्ञातृक संघ के प्रमुख सिद्धार्थ के पुत्र महावीर जैन धर्म के 24वें एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण तीर्थंकर के रूप में प्रसिद्ध हुए। महावीर से सम्बद्ध होने के कारण कुंडग्राम नगर का महत्व बढ़ गया था।
- **गिरिव्रज (राजगृह):** यह मगध साम्राज्य की राजधानी थी। वर्तमान में यह स्थान बिहार की राजधानी पटना से लगभग 102 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। राजगृह को राजगीर के नाम से भी जाना जाता है। महाभारत काल में जरासंघ नामक राजा की यहां राजधानी थी। जैन ग्रंथ विविध तीर्थ कल्प के मुताबिक राजगृह नगर 5 पहाड़ियों विपुलगिरि, रत्नगिरि, उदयगिरि, सोनगिरि तथा वैभारगिरि के बीच बसा हुआ था।
  - रत्नगिरि में बुद्ध का प्रिय निवास था। यह निवास 'गृद्धकूट' के नाम से मशहूर था। यहां का सर्वप्रमुख स्थल 'सप्तपर्णी गुफा' है, जहां प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था।
- **चम्पा मालिनी (भागलपुर):** (अंग राज्य की राजधानी) बिहार के वर्तमान भागलपुर क्षेत्र में प्राचीनकाल का अंग महाजनपद स्थित था। अंग की राजधानी थी। पुराणों में चंपा का नाम मालिनी भी मिलता है। जातक ग्रंथों के मुताबिक चंपा एक समृद्ध नगरी थी, जहां अनेक संपन्न व्यापारी निवास करते थे। यह रेशम के वस्त्र बुनने का एक विख्यात केंद्र था। छठी सदी ई.पू. में उत्तरी भारत में संगठित होने वाले प्रमुख राज्यों (जनपद) में अंग की राजधानी चंपा में ही थी।
- **नालंदा:** राजधानी पटना के निकट राजगृह या राजगीर से 7-8 मील की दूरी पर आधुनिक बड़गांव नामक गांव से प्राचीन नालंदा के अवशेष मिलने शुरू हो जाते हैं। यहां 7वीं शताब्दी का एक विश्वविख्यात विश्वविद्यालय था, जिसका वर्णन चीनी यात्रियों ह्वेनसांग और इत्सिंग ने विस्तारपूर्वक किया है।
- **बराबर की पहाड़ी (गया जिला):** बिहार के गया जिले के बराबर तथा नागार्जुनी पहाड़ियों से मौखरि वंश के तीन लेख मिले हैं। इसमें तीन राजाओं यज्ञ वर्मा, शार्दूल वर्मा तथा अनंतवर्मा के नाम मिलते हैं। ये बिहार की मौखरि शाखा के थे।
- **वैशाली:** वैशाली में विश्व की प्राचीनतम गणतंत्र था। यहां प्राचीन वैशाली के अवशेष वर्तमान वैशाली जिला के बसाढ़ नामक गांव में पाये गये हैं। यह नगर छठी सदी ई.पू. से लगभग छठी सदी ईस्वी तक समृद्ध नगर रहा।
  - वैशाली का विकास वज्जि गणराज्य के शक्तिशाली सदस्य लिच्छवियों द्वारा किया गया। अजातशत्रु द्वारा मगध साम्राज्य के विस्तार के क्रम में वैशाली का महत्व घटा। गुप्त साम्राज्य के समय यह पुनः एक प्रांतीय राजधानी बनी।

10
अध्याय

प्रमुख व्यक्तित्व

प्राचीनकाल के प्रमुख व्यक्तित्व

पाणिनी

- पाणिनी प्राचीन भारत के विख्यात व्याकरण शास्त्री थे।
- उनकी प्रसिद्ध कृति अष्टाध्यायी है, जिसमें आठ अध्याय और 3,863 सूत्र हैं।
- अष्टाध्यायी इतिहास के स्रोत के रूप में महत्त्वपूर्ण है और इसमें संस्कृत भाषा का शास्त्रीय स्वरूप दृष्टिगोचर होता है।

कपिल

- सांख्य दर्शन को वैज्ञानिक रूप देने वाले कपिल का नाम महात्मा बुद्ध के पूर्व दार्शनिकों में लिया जाता है।
- कपिल का समय 700-600 संवत ई. पूर्व के लगभग माना जाता है।
- आरण्यिकाओं के आधार पर उनका जन्म मधुबनी जिला के वर्तमान कपिलेश्वर स्थान नामक जगह पर हुआ था। यह स्थान मधुबनी से पांच मील उत्तर-पश्चिम में हुसैनपुर ग्राम में अवस्थित है। इसे कपिल का आश्रम भी कहा जाता है।

गौतम मुनि

- गौतम का न्यायसूत्र भारतीय तर्कशास्त्र को अप्रतिम देन है।
- न्याय दर्शन को तार्किक एवं व्यवस्थित रूप देने का श्रेय गौतम या अक्षपद् को दिया जाता है।
- गौतम ने अपनी पुस्तक न्याय सूत्र में न्याय दर्शन की 16 कोटियों की विस्तार पूर्वक चर्चा की है।

जीवक

- प्राचीन भारत के महान चिकित्सकों अप्रेय, मृगु, चरक, सुश्रुत की श्रेणी में जीवक भी थे। वे प्राचीन मगध राज्य के रहने वाले थे।
- जीवक के जन्म के संबंध में पालि स्रोत के आधार पर कहा जाता है कि वे राजगृह की नगरवधू सालवती का पुत्र थे।
- गिलगिट से प्राप्त पाण्डुलिपि में उन्हें राजगृह के एक व्यापारी की पत्नी के गर्भ से उत्पन्न बिम्बिसार का पुत्र बतलाया गया है।

कौटिल्य या चाणक्य

विष्णुशर्मा एवं कौटिल्य के नाम से पहचाने जाने वाले विख्यात कूटनीतिज्ञ चाणक्य मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य के न केवल महामंत्री थे, बल्कि राजनीतिक गुरु भी थे।

- उनकी विश्व प्रसिद्ध रचना अर्थशास्त्र को आज भी शासन एवं राजव्यवस्था का एक मानक ग्रंथ माना जाता है।
- चाणक्य का जन्म तक्षशिला में एक कुठिल नामक ब्राह्मणवंश में हुआ था।

11 अध्याय
बिहार : खेल एवं पत्रकारिता

खेल

बिहार प्रदेश में खेलकूद को प्रोत्साहित करने तथा उसके लिए संगठित रूप से प्रयास करने का श्रेय स्वर्गीय मोइनुल हक को जाता है। इनके ही अथक प्रयासों से राज्य में खेलकूद संस्थाओं का गठन हुआ तथा उन्हें दिशा मिली। स्व. हक के अलावा बिहार में खेलकूद को स्व. आर.आई. सिंह एवं स्व. रवि मेहता ने भी बढ़ावा दिया।

- बिहार में खेलकूद को बढ़ावा देने तथा उनको प्रामाणिक स्तर प्रदान करने हेतु 1961 में बिहार राज्य स्पोर्ट्स काउन्सिल का गठन किया गया। 1966 में इसका पुनर्गठन हुआ। इसके 19 सदस्य होते थे तथा शिक्षा मंत्री इसके अध्यक्ष होते थे।
- परिषद का मुख्य कार्य सरकार को खेलकूद संबंधी परामर्श देना तथा अन्य संगठनों के साथ सामंजस्य स्थापित करना था। यह परिषद जिला एवं अनुमण्डलीय स्तर के खेलकूद संगठनों का अनुबंधन भी करती थी तथा अनेक क्षेत्रों में यह विशेष खेल जैसे फुटबॉल, हॉकी, टेनिस आदि के लिए कोचिंग की भी व्यवस्था करती थी।
- 1975-76 में स्पोर्ट्स काउंसिल भंग कर एक राज्य स्तरीय स्पोर्ट्स अथॉरिटी का गठन किया गया। अब इसका नाम बिहार स्टेट स्पोर्ट्स अथॉरिटी है। यह एक स्वायत्त संस्था है, जिसके महानिदेशक डब्ल्यू.एच. खां हैं। स्पोर्ट्स काउंसिल के अतिरिक्त राज्य में ओलंपिक एसोसिएशन की भी इकाई है। बिहार ओलंपिक एसोसिएशन का गठन बिहार में खेलकूद संस्थाओं की संबंधनकारी संस्था के रूप में किया गया था। अभी तक 29 जिला स्तरीय खेलकूद की संस्थाएं इससे संबंधित हैं।

स्टेडियम

राज्य में खेलकूद के प्रदर्शन तथा राष्ट्रीय स्तर के खेल समारोह आयोजित करने हेतु कई स्टेडियमों का निर्माण किया गया है। पटना में तीन बड़े स्टेडियम बनाए गये हैं; जिसमें सबसे बड़ा स्टेडियम मोइनुल हक स्टेडियम है। इसकी क्षमता 25 हजार दर्शकों की है तथा यहां अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल तथा क्रिकेट के मैच आयोजित किये जा चुके हैं। पटना के गांधी मैदान में भी खेलकूद की प्रतियोगिता आयोजित होती रहती है।

- पटना के अतिरिक्त छपरा का राजेन्द्र स्टेडियम प्रसिद्ध है। मुजफ्फरपुर का खुदीराम बोस स्टेडियम तथा हाजीपुर का हाजीपुर स्टेडियम व रेलवे स्टेडियम प्रसिद्ध हैं। गया में हरिहर सुब्रमण्यम स्टेडियम स्थित है। आरा में वीर कुंवर सिंह स्टेडियम तथा वीर कुंवर सिंह पुलिस स्टेडियम स्थापित हैं। पूर्णिया में इंदिरा गांधी स्टेडियम प्रसिद्ध है। जिलास्तरीय खेलकूद के लिए प्राय: प्रत्येक जिले में स्टेडियम की स्थापना की गयी है।
- राजगीर में एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का निर्माण किया जा रहा है। यह स्टेडियम राजगीर छबीलापुर स्टेट हाईवे पर ढेरा गांव के पास बनाया जा रहा है। इसका निर्माण 90 एकड़ वर्ग क्षेत्र में किया जा रहा है।

12
अध्याय

जिलों का संक्षिप्त विवरण

पटना

- **मुख्यालयः** पटना
- **क्षेत्रफलः** 3,202 वर्ग किमी.
- **कुल जनसंख्याः** 58,38,465
- **जनसंख्या घनत्वः** 1,471
- **लिंगानुपातः** 897
- **2001-2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि दरः** 23.73 प्रतिशत
- **साक्षरताः** 70.68 प्रतिशत
- **पुरुष साक्षरताः** 78.48 प्रतिशत
- **महिला साक्षरताः** 61.96 प्रतिशत
- **अनुमंडलः** बाढ़, दानापुर, मसौढ़ी, पालीगंज, पटना साहिब, पटना सदर
- **प्रखंडः** पटना, धनरुआ, फुलवारी शरीफ, बिहटा, नौबतपुर, पालीगंज, बाढ़, मोकामा, मसौढ़ी, पुनपुन, मनेर, दानापुर, बिक्रम, बख्तियारपुर, पंडारक, फतुहा, दनियावान, खुसरूपुर, अथमलगोला, बेलछी, घोसवरी, दुल्हिन बाजार, सम्पतचक
- **कृषिः** आलू, धान, प्याज, सब्जियां
- **उद्योगः** चीनी उद्योग, चमड़ा उद्योग, बेकरी, वेल्डिंग कार्य, आटा-चक्की, बिजली-बल्ब।
- **नदियांः** गंगा, सोन, पुनपुन।

प्रमुख व्यक्तित्वः फूलनदेवी प्रसाद वर्मा, पुण्यदेव शर्मा, सारंगधर सिंह, श्यामनन्दन सिंह, प्रोफेसर अब्दुल बारी, नारायण सिंह, कमला कान्त आजाद, रामविलास सिंह, रामचन्द्र शर्मा, अमहरा दिवाकर शर्मा, बिस्मिल अजीमाबादी, विमल सेन गुप्ता, नवलाख सिंह, विक्रम।

प्रमुख दर्शनीय स्थलः तख्त श्रीहरिमंदिर, पटना का गोलघर यहां अगमकुआं, चाणक्य गुफा, पटना देवी का मंदिर, विश्वस्तरीय म्यूजियम, चिड़ियाघर, संजय उद्यान, विख्यात खुदाबख्श लाइब्रेरी, मनेर स्थित दरगाह, पटना में कुम्हारार स्थित प्राचीन राजमहल के अवशेष आदि सैकड़ों घूमने, ज्ञानवर्द्धन व मनोरंजन के स्थल हैं।

नालन्दा

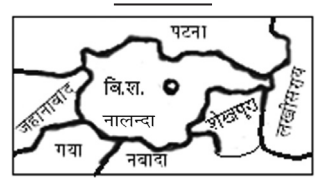

- **मुख्यालयः** बिहारशरीफ
- **क्षेत्रफलः** 2,355 वर्ग किमी.
- **कुल जनसंख्याः** 28,77,653
- **जनसंख्या घनत्वः** 1,222 व्यक्ति/वर्ग किलोमीटर
- **लिंगानुपातः** 922
- **2001-2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि दरः** 21.39 प्रतिशत
- **साक्षरताः** 64.43 प्रतिशत
- **पुरुष साक्षरता दरः** 74.86 प्रतिशत
- **महिला साक्षरता दरः** 53.10 प्रतिशत
- **अनुमंडलः** बिहारशरीफ, राजगीर, हिलसा
- **प्रखंडः** गिरियाक, रहुई, नूरसराय, हरनौत, चंडी, इस्लामपुर, राजगीर, अस्थावां, सरमेरा, हिलसा, बिहारशरीफ, एकंगर सराय, बेन, नगरनौसा कराईपरसोराई, सिलाव, परवलपुर, कतरीसराय, बिंद, थरथरी।
- **कृषिः** आलू, धान, प्याज।
- **उद्योगः** चीनी उद्योग, हथकरघा उद्योग।
- **नदियांः** फल्गु, मोहनी।

13
अध्याय

बिहार वनलाइनर सामान्य ज्ञान

बिहार का इतिहास

- मगध शासक बिम्बिसार का चिकित्सक कौन था? - **जीवक**
- बिहार में तुर्क सत्ता का वास्तविक संस्थापक कौन था? - **इब्न बख्तियार खिलजी**
- बिहार के प्रथम भारतीय गवर्नर कौन थे? - **सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा**
- संथाल विद्रोह के नेता कौन थे? - **सिद्धो, कान्हो**
- बिहार में चौरी विद्रोह किस वर्ष हुआ था? - **1832**
- किस वर्ष उडीसा को बिहार से पृथक किया गया था? -**1936**
- आजाद दस्ता बिहार में किस आन्दोलन के दौरान सक्रीय रहा? - **भारत छोडो आन्दोलन**
- 1946 में गठित अंतरिम सरकार के मंत्रिमंडल में श्रम विभाग किसे सौपा गया था?- **जगजीवन राम**
- 1942 में किस त्यौहार के अवसर पर जय प्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से भाग निकले थे - **दीपावली**
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद को कब संविधान सभा का सभापति चुना गया था? -**11 दिसम्बर 1946**
- प्रथम बौद्ध महासभा कहां आयोजित हुई थी? - **राजगृह**
- किस गुप्त शासक ने अपने बड़े भाई की हत्या कर सत्ता प्राप्त की? - **चन्द्रगुप्त द्वितीय**
- खुदीराम बोस ने किस स्थान पर किम्सफोर्ड की हत्या का प्रयास किया था? -**मुजफ्फरपुर**
- 'आजाद दस्ता' बिहार में किस आन्दोलन के दौरान सक्रिय रहा? -**भारत छोड़ो आंदोलन**
- भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान कौन से नेता हजारीबाग जेल से फरार हुए?- **जय प्रकाश नारायण**
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1922 ई. में आयोजित गया अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे? - **चित्तरंजन दास**
- 1946 ई. में बनी अन्तरिम सरकार में राजेन्द्र प्रसाद के पास कौन-सा विभाग था? - **खाद्य एवं कृषि**
- 1855 में संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था? - **सिद्धो और कान्हू**
- गांधीजी को चंपारण आने का आमंत्रण किसने दिया था? - **राजकुमार शुक्ल**
- बोधगया में किसे ज्ञान-प्राप्ति हुई थी? - **गौतम बुद्ध**
- 1913 ई. में पटना में अनुशीलन समिति की एक शाखा की स्थापना किसने की थी? - **सचिन्द्रनाथ सान्याल**
- बिहार समाजवादी पार्टी का गठन किन्होंने किया था?- **फूलनप्रसाद वर्मा और जयप्रकाश नारायण**
- बंगाल प्रान्त के साथ बिहार प्रान्त को कब मिलाया गया? - **1733 ई.**
- किसे चंपारण सत्याग्रह का एक बहुत महत्वपूर्ण पहलू सही मायने में कहा जा सकता है? -**भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में किसान आंदोलन का शामिल होना**
- बिहार के किस नेता ने 'हर्म्मोड कमीशन' के समक्ष रांची में प्रस्तुत होकर दलितों के लिए मताधिकार की मांग रखी थी? - **बाबू जगजीवन राम**
- किसने बक्सर के युद्ध के तुरंत बाद अंग्रेजों के विरुद्ध बिहार में विद्रोह की शुरुआत की थी? - **महाराज फतेह बहादुर शाही**

14 अध्याय

बिहार विशेष प्रश्न बैंक

बिहार का इतिहास

1. **बिहार का वह रसोइया, जिसने 1917 में महात्मा गाँधी की हत्या के प्रयास को विफल कर उनके भोजन में मिले जहर से उनकी जान बचाई थी, था?**
   (a) मीर बकवाल
   (b) मुजफ्फर अहमद
   (c) बतख मियां
   (d) इनमें से कोई नहीं
   69वीं एवं 68वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023

2. **1937-1938 के दौरान, बिहार में बकाशत आन्दोलन किसके द्वारा आयोजित किया गया था?**
   (a) पीर अली खान
   (b) स्वामी दयानंद सरस्वती
   (c) जय प्रकाश नारायण
   (d) स्वामी सहजानन्द सरस्वती
   69वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023

3. **बक्सर की लड़ाई के बाद किस संधि पर हस्ताक्षर किये गये?**
   (a) सालबाई संधि (b) इलाहाबाद संधि
   (c) सुगौली संधि (d) बेसिन संधि
   69वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023

4. **डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने किस वर्ष पटना में अपना कारखाना स्थापित किया?**
   (a) 1648 (b) 1635
   (c) 1632 (d) 1643
   69वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023

5. **सन 1942 में भारत छोड़ों आन्दोलन में बिहार के नेताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा था बिहार के कौन- से प्रमुख नेता बिहार केसरी के नाम से जाने जाते थे और उन्होंने भारत छोड़ों आन्दोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था?**
   (a) राम मनोहर लोहिया
   (b) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
   (c) श्री कृष्ण सिंह
   (d) अनुग्रह नारायण सिन्हा
   69वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023

6. **चंपारण आन्दोलन के जन आन्दोलन की प्रतिक्रिया में ब्रिटिश सरकार ने इस मुद्दे के समाधान के लिए कौन सा कदम उठाया?**
   (a) चंपारण को एक स्वत्रंत राज्य घोषित किया
   (b) महात्मा गाँधी को चंपारण का राज्यपाल नियुक्त किया
   (c) क्षेत्र में सख्त कर्फ्यू लागू किया और मार्शल ला लगाया
   (d) चंपारण कृषि समिति की स्थापना की
   69वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023

7. **प्रारंभिक वैदिक काल के दौरान कौन- सा शहर प्राचीन मगध साम्राज्य की राजधानी के रूप में कार्य करता था?**
   (a) पाटलिपुत्र (b) राजगृह
   (c) चम्पा (d) वैशाली
   69वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023

8. **कब बिहार पहली बार ब्रिटिश शासित भारत के तहत बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग हुआ था?**
   (a) 1947 (b) 1912
   (c) 1936 (d) इनमें से कोई नहीं
   69वीं, 64वीं, 42वीं, 39वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023 एवं प्र.क्षेत्र कार्यालय (प्रा.) परीक्षा 2001

   उत्तर (b)

9. **मैथिली भाषा का विकास निम्नलिखित में से किसके शासनकाल के दौरान शुरू हुआ?**
   (a) पिथिपति
   (b) चेरो राज वंश
   (c) ओइनिवार राज वंश
   (d) कर्नाट राज वंश
   69वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा, 2023

15
अध्याय

प्रमुख नीति एवं योजनाएं

सात निश्चय योजना

बिहार सरकार राज्य के सभी निवासियों को मूलभूत सुविधाएं, यथा- पेयजल, शौचालय एवं बिजली की उपलब्धता के साथ-साथ आधारभूत संरचनाओं जैसे- सड़क, गली, नाली की सुविधा प्रदान करने तथा युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से 7 निश्चय कार्यक्रम की शुरुआत 2015 में की गई, जिसके निम्न घटक हैं-

1. आर्थिक हल, युवाओं को बल
2. आरक्षित रोजगार महिलाओं को अधिकार
3. हर घर बिजली लगातार
4. हर घर नल का जल
5. घर तक पक्की गली-नालियां
6. शौचालय निर्माण, घर का सम्मान
7. अवसर बढ़े आगे पढ़ें

1. आर्थिक हल, युवाओं को बल

इसके अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा बिहार की युवा पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनाने एवं शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर प्राप्त करने हेतु नीतियों की शुरुआत की गई, जिसके अंतर्गत (क) स्टूडेन्ट क्रेडिट कार्ड, (ख) मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, (ग) कुशल युवा कार्यक्रम, (घ) बिहार स्टार्टअप नीति-2016, (ङ) विद्यालय, महाविद्यालय में वाई-फाई सुविधा जैसे घटकों को शामिल किया गया है।

2. आरक्षित रोजगार महिलाओं का अधिकार

इसके अंतर्गत स्थानीय निकायों में शिक्षक नियुक्ति में महिलाओं को 50% आरक्षण प्रदान किया गया है।

- महिला पुलिस थाना की स्थापना, महिला बटालियन का गठन, पुलिस सब इंस्पेक्टर एवं कॉन्सटेबल नियुक्ति में महिलाओं को 35% आरक्षण प्रदान किया गया है। वर्तमान में न्यायिक सेवा में भी बिहार की महिलाओं को 35% आरक्षण प्रदान किया गया है।
- जीविका के तहत महिला स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। महिला सशक्तिकरण नीति 2015 को लागू किया गया है।
- **महत्वः** सरकार के इस कदम से राज्य की महिलाओं का सशक्तिकरण हो सकेगा तथा महिलाएं समाज में सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका का निर्वाह कर सकेगी।

3. हर घर बिजली लगातार

इस योजना का उद्देश्य बिहार के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक घर में बिजली उपलब्धता

16
अध्याय

बिहार में कौन, कहां, क्या ?

बिहार के वर्तमान कैबिनेट मंत्रियों की सूची			
क्र.सं.	**नाम**	**पद**	**विभाग/मंत्रालय**
1.	श्री नीतीश कुमार	मुख्यमंत्री	सामान्य प्रशासन, गृह, कैबिनेट सचिवालय, सतर्कता चुनाव एवं ऐसे सभी विभाग जो किसी को आवंटित न किये गये हों।
2.	श्री सम्राट चौधरी	उप-मुख्यमंत्री	वित्त, वाणिज्यिक कर, शहरी विकास एवं आवास, स्वास्थ्य, खेलकूद, पंचायती राज उद्योग, पशु एवं मत्स्य पालन, कानून।
3.	श्री विजय कुमार सिन्हा	उप-मुख्यमंत्री	कृषि,सड़क निर्माण, राजस्व एवं भूमि सुधार, गन्ना उद्योग, खान एवं भूविज्ञान, श्रम संसाधन, कला, संस्कृति एवं युवा, लघु जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग।
4.	श्री विजय कुमार चौधरी	मंत्री	जल-संसाधन विभाग, संसदीय कार्य विभाग, भवन निर्माण विभाग, परिवहन विभाग, शिक्षा, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग।
5.	श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव	मंत्री	ऊर्जा विभाग, योजना एवं विकास विभाग,निषेध उत्पाद एवं पंजीकरण, ग्रामीण कार्य विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग।
6.	श्री प्रेम कुमार	मंत्री	सहकारिता विभाग, बीसी एवं ईबीसी कल्याण विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पर्यटन विभाग।
7.	श्री श्रवण कुमार	मंत्री	ग्रामीण विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग।
8.	श्री संतोष कुमार सुमन	मंत्री	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग,अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग।
9.	श्री सुमित कुमार सिंह	मंत्री	विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग।
***12 मार्च, 2024 तक अद्यतन*			

बिहार विधान सभा के अध्यक्षों की सूची		
क्र.सं.	**नाम**	**अवधि**
1.	श्री रामदयालु सिंह	23-07-1937 से 11-11-1944 तक
2.	श्री बिन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा	25-04-1946 से 14-03-1962 तक